नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत को ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत

भारत सदैव से शांति एवं सदभावना का पक्षधर रहा है. हमने अपनी ओर से कभी युद्ध की पहल नहीं की लेकिन जब भी हम पर युद्ध थोपा गया तो हमने करारा जवाब देकर दुश्मनों के हौंसले पस्त किए हैं. ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस नीति पर चलने की प्रबल इच्छाशक्ति का प्रतीक ही कहा जाएगा. हालांकि पाक के आतंकी अड्डों एवं सैन्य ठिकानों पर हमले करने से पहले या बाद में भारत ने युद्ध की औपचारिक या विधिवत घोषणा नहीं की और इसे सिर्फ ऑपरेशन तक ही सीमित रहने दिया गया लेकिन ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद सीमा के आर पार जो परिस्थितियां बनी हैं, वह युद्ध से कमतर नहीं हैं. बहरहाल, भारत ने अपनी शर्तों पर शनिवार की शाम पाक सेना के डीजीएमओ के युद्ध विराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और अब भविष्य के हालात सोमवार को दोनों देशों के बीच होने वाली बैठक के निष्कर्ष पर तय है.

यह सच है कि पाकिस्तान पर विश्वास नहीं किया जा सकता है और भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के इस संदेह को पाक ने कुछ ही घंटों के भीतर युद्धविराम को तोड़कर साबित भी कर दिया, जैसे को तैसा की नीति अपनाते हुए जब भारत ने फिर से पाक के सैन्य ठिकानों पर करारे हमले किए तो पाक फिर से युद्धविराम के लिए प्रतिबद्धता जताने लगा. बहरहाल, सीमा पर अब तक तो शांति है, पाक की नापाक कथनी करनी की पृष्ठभूमि को देखते हुए भविष्य के बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है.

लेकिन कुछ सवालों को अनदेखा नहीं किया जा सकता है. क्या ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य हासिल हो गया है? क्या जैश ए मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों का नेटवर्क और इन्फ्रास्ट्रक्चर मुकम्मल तौर पर ध्वस्त किया जा चुका है? वैसे हमें विश्वास है कि सरकार ने युद्धविराम को स्वीकार किए जाने के पहले इन सभी पहलुओं पर विचार किया है, फिर भी जनता के बीच सवाल तो उठ ही रहे हैं. इस तथ्य को झुठलाया नहीं जा सकता कि ऑपरेशन सिंदूर शुरू किए जाने के बाद सरकार ने देश की जनता के बीच जो प्रशंसा व साख अर्जित की थी, युद्धविराम के बाद वह काफी हद तक प्रभावित हुई है. विपक्ष को भी सवाल उठाने और सरकार की घेराबंदी करने का मौका मिल गया है. राहुल गांधी ने तो संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग भी कर दी है.

दिलचस्प बात यह है कि युद्धविराम कराने में अमेरिका की भूमिका सामने आई है. इससे पहले भारत की ओर से अमेरिकी मध्यस्थता की पहल को अस्वीकार किया जाता रहा है. कुछ लोग कारगिल युद्ध की याद कर रहे हैं, जब अमेरिका के राष्ट्रपति क्लिंटन ने फोन करके अटलजी से कहा था कि पाकिस्तान के पीएम परमाणु हमले की बात कह रहे हैं आप वार रोक दीजिए. उस समय की मीडिया खबरों के अनुसार अटलजी ने कहा था कि आप उनको रोकिए मत, मैं आधा भारत कुर्बान करने को तैयार हूं लेकिन पाकिस्तान कल का सूरज नहीं देखेगा. इससे थोड़ा और पहले जाएं तो 71 के भारत पाक युद्ध के समय श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के दवाब के आगे न झुकने का वाक्या स्मरण आता है. लेकिन अतीत से वर्तमान की तुलना नहीं की जा सकती. 71 के दौर में विश्व दो ध्रुवों में बंटा हुआ था और भारत को किस ध्रुव से ताकत थी, यह सर्वविदित है. युद्धविराम के लिए अमेरिकी प्रयासों में भारत ने यदि हठधर्मिता नहीं दिखाई है तो इसके पीछे राष्ट्रहित ही है.

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन हमारे खिलाफ पाले में खड़ा दिखाई दिया है. भारत विश्व की बड़ी आर्थिक शक्ति बन चुका है और विश्व कारोबार में भारत की भागीदारी बढ़ी है. यही वजह है कि चीन की साजिश थी कि भारत लंबी अवधि के लिए युद्ध में उलझ जाए ताकि ग्लोबल कंपनियां भारत के बजाए चीन का रुख करें और चीन को अपने व्यापार विस्तार के सुगम रास्ते मिलें. भारत चीन की इस साजिश में नहीं फंसा है और युद्ध के मोर्चे पर ताकत दिखाने के साथ ही कूटनीतिक द्वार भी खोले रखे हैं. युद्धविराम का विरोध करने वालों को उक्त तथ्य पर भी गौर करना चाहिए. भारत युद्धविराम का पालन जरूर कर रहा है लेकिन अब ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि नापाक इरादे रखने वाले शत्रु पर विश्वास नहीं किया जा सकता है.

सीजफायर : पाकिस्तान का आत्मसमर्पण

आचार्य चंद्रशेखर चतुर्वेदी
बीएचयू, वाराणसी

> भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम समझौते के बाद रक्षा मंत्रालय की ओर से कमोडोर रघु आर नायर, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके विस्तार से जानकारी दी. भारतीय रक्षा मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आधिकारिक तौर पर संकेत दिया कि यह भारत की ओर से पाकिस्तानी ठिकानों भोलारी, स्कार्दू, सरगोधा और जैकोबाबाद पर लगातार किए गए दंडात्मक हमलों का नतीजा है, जिसके परिणामस्वरूप आज संघर्ष विराम हुआ है. कुल मिलाकर, सीजफायर पर सहमति दोनों देशों के बीच तनाव कम करने, बातचीत को बढ़ावा देने, सीमा पर शांति स्थापित करने और वैश्विक दबाव को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है. यह भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध सुधारने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है.

सब कुछ अचानक. अप्रत्याशित. किसी को कुछ अंदाजा न था. और वो खबर आई, जिस पर सभी ने राहत की एक लंबी सांस ली. भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा हो गई. शनिवार शाम नाटकीय अंदाज में इसका ऐलान हुआ. भारत और पाक के बीच सीमाओं को लांघ चुकी चार दिन की गर्मागर्मी पर शांति की शीतलहर चढ़ गई. दोनों देश शनिवार शाम पांच बजे से एक दूसरे पर वार-पलटवार न करने पर राजी हो गए.

कई मोर्चों पर पाकिस्तान को इस बार और अच्छे से समझ आ गया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार है. भारत ने पाकिस्तान को सीधा मैसेज दिया, जब पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की, उस समय भारतीय सेना सिर्फ पीओके तक सीमित नहीं रही, पाकिस्तान के अंदर घुसकर कई ठिकानों को निशाना बनाया.

चार दिनों के तनाव में पाकिस्तान को ये भी समझ आया कि भारत का एयर डिफेंस सिस्टम कितना स्ट्रांग है. उसकी सभी मिसाइलें और ड्रोन हवा में ही ध्वस्त कर दिए गए. जमीन पर मार करने का उन्हें मौका ही नहीं मिला. भारत के कई शहरों को एक साथ निशाना बनाने के बावजूद पाकिस्तान को ये समझ आ गया कि उसका मिसाइल और ड्रोन सिस्टम भारत के सामने किसी काम का नहीं है.

पाकिस्तान के एयर डिफेंस और रेडार सिस्टम को ध्वस्त किया गया. एलओसी के पास पाकिस्तान के कमान कंट्रोल, लॉजिस्टिक, मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर और उसके जवानों को इतना भारी नुकसान पहुंचाया गया कि उसकी बचाव और मारक क्षमता को खत्म कर दिया गया.

एक्ट ऑफ वार वाले भारत के रुख से भी डरा पाकिस्तान- आज सरकारी के टॉप सूत्रों से ये खबर भी सामने आई थी कि जिसमें भारत ने पाकिस्तान को फाइनल अल्टीमेटम देते हुए साफ किया था कि पाकिस्तान अब किसी भी आतंकी कार्रवाई को युद्ध मानकर जवाब देगा. भारत ने पाकिस्तान की हर आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ एक्ट ऑफ वार%की संज्ञा में रख दिया था. इसने भी पाकिस्तान को सोचने के लिए जरूर मजबूर किया कि आगे क्या करना है, क्या नहीं. भारत ने पूरे तनाव के बीच पूरे आत्मविश्वास से सटीक निशाने के साथ जवाब दिया. परमाणु हमले की धमकी के बावजूद वह आगे बढ़कर पूरी कार्रवाई करता रहा. इससे पाकिस्तान को समझ आ गया कि भारत किसी गीदड़भभकी से डरने वाला नहीं है, वह पूरी तरह से तैयार है.

भारत ने यह भी निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा. भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का भले ही ऐलान हो गया हो, लेकिन दो दिन के भीतर जवाबी कार्रवाई के दौरान भारत ने पाकिस्तान के स्कर्दू, जैकोबाबाद, सरगोधा और भोलारी एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचाया है. भारत ने यह भी निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसी के अनुसार जवाब दिया जाएगा.

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का भले ही ऐलान हो गया हो, लेकिन दो दिन के भीतर जवाबी कार्रवाई के दौरान भारत ने पाकिस्तान के स्कर्दू, जैकोबाबाद, सरगोधा और भोलारी एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचाया है.

विंध्य की डायरी

कार्यकारिणी में जगह पाने जिला अध्यक्षों की परिक्रमा

डॉ. रवि तिारी

भाजपा ने जिला अध्यक्षो की घोषणा कर दी है और जिला अध्यक्षो ने कमान भी सम्भाल ली है पर अभी तक कार्यकारिणी नही बनी है. प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के बाद ही कार्यकारिणी का गठन हो पाएगा, कब तक प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा होती है कुछ नही कहा जा सकता. हालाकि उम्मीद है कि इसी माह प्रदेश को नया अध्यक्ष मिल जायेगा. जिला कार्यकारिणी को लेकर कई कार्यकर्ता इस समय सक्रिय है और जिला अध्यक्षो की गणेश परिक्रमा कर रहे है. विंध्य में कही भी कार्यकारिणी नही बनी है केवल इंतजार है तो प्रदेश अध्यक्ष के घोषणा होने का. ऐसे में जिला अध्यक्ष के खास बनने और कार्यकारिणी में जगह पाने के लिये कार्यकर्ता बेहद सक्रिय है. अपने राजनीतिक आकाओ के पास जुगाड़ का गणित बैठा रहे है कि शायद कार्यकारिणी में स्थान मिल जाय. नए अध्यक्ष बनने के बाद कई कार्यकर्ता जो पीछे कतार में खड़े थे वह अचानक फ्रंट लाइन पर आ गये है और यह मानकर चल रहे है कि कार्यकारिणी में उनका स्थान पक्का है. कुछ ऐसे भी है जो जिला अध्यक्षो के पुराने खासमखास है और फ्रंट में आकर बैटिंग कर रहे है. कार्यकारिणी में सांसद-विधायको की चलेगी, अपने पसंद के कार्यकर्ताओ को कार्यकारिणी में स्थान दिलाएंगे. अध्यक्ष से लेकर सांसद-विधायको के यहां कार्यकर्ता बेहद सक्रिय तरीके से अपना जुगाड़ बैठाने में लगे हुए है. अंदर ही अंदर खेमे बाजी भी शुरू हो चुकी है. फिलहाल किसे स्थान मिलेगा, इंतजार करना पड़ेगा.

बेहतर मेडिकल सुविधा के मोहताज

विंध्य मेडिकल हब बनने की ओर भले ही अग्रसर है पर सच्चाई यह है कि गंभीर मरीज को बचाने में कामयाब नही है. सरकारी और निजी अस्पताल के बीच मरीज चक्कर काटता है और जब हालत बिगड़ती है तो महानगर की ओर रूख करना पड़ता है. शायद अभी वह मेडिकल सुविधा और चिकित्सक हमारे पास नही है जो होने चाहिये. गोली लगने से सतना के एक प्रधान आरक्षक को रीवा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया और जब कोई सुधार नही हुआ तो एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया. सरकार और प्रशासन की बराबर नजर थी लेकिन जब हालत में कोई सुधार नही हुआ तो एयर लिफ्ट किया गया. सवाल यह उठता है कि पहले यह निर्णय क्यो नही लिया गया, शायद एक जवान की जान बच जाती. दिल्ली में उपचार के दौरान निधन हो गया. कही न कही त्वरित बेहतर उपचार देने में हम उतने काबिल नही हो पाए है. अभी भी बेहतर उपचार के लिये महानगरो पर ही निर्भर है. मेडिकल हब कब बनेगा कुछ नही कहा

सतना के लिए राहत भरी खबर

भारत सरकार ने आयुष्मान योजना लागू की है जिसमें बीमारियो का मुफ्त इलाज होता है. निजी अस्पतालो में इलाज कराने वाले मरीजो को आयुष्मान भारत योजना का लाभ नही मिल रहा था. सतना, मैहर जिले के आयुष्मान कार्ड हितग्राहियो के लिये राहत भरी खबर है. अब इलाज कराने के लिये मरीजो को बाहर नही जाना पड़ेगा. कैंसर, किडनी और हार्ट के मरीजो का इलाज सतना के निजी अस्पतालो में होगा. तीन अस्पतालो को शामिल किया गया है. लंबे समय से मांग उठ रही थी लेकिन प्रक्रिया ठंडी पड़ी थी. इसके लिये सांसद गणेश सिंह और महापौर योगेश ताम्रकार लगातार प्रयास में थे. लिहाजा मेहनत रंग लाई और तीन अस्पतालो को योजना में शामिल किया गया है.

वक्त पर काम आया सुदर्शन चक्र

पाकिस्तान ने भारत के श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, कपूरथला, अमृतसर, होशियारपुर, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़ फलौदी, भुज, पाटण, बाडमेर, बीकानेर आदि शहरों पर मिसाइल व ड्रोन से हमले किए लेकिन रूस में बने ए-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया. इस सिस्टम का नाम ए-400 सुदर्शन चक्र रखा गया है. यह नाम भगवान विष्णु के आयुध से लिया गया है. यह सुदर्शन चक्र वेगवान, अचूक और शक्तिशाली है जो 400 किलोमीटर तक मारक क्षमता रखता है. दुश्मन के विमान, ड्रोन, क्रूज या बैलिस्टिक मिसाइल को वह तुरंत आसमान में ही तबाह कर देता है. यह जबरदस्त रक्षा कवच है. इसमें लगा रडार 600 किलोमीटर तक के लक्ष्य को पहचान सकता है. इससे पाकिस्तान के सभी हवाई हमले नाकाम किए गए. दूसरी ओर चीन ने भी पाकिस्तान को एयर डिफेंस सिस्टम दे रखा है जिसका नाम एचक्यू-9 है. यह चीनी माल भरोसेमंद साबित नहीं हुआ. भारत के ड्रोन और मिसाइल को वह रोक नहीं पाया. पाकिस्तान को चीन से मिले जेएफ-17 लड़ाकू विमान भी भारत ने मार गिराया. इससे चीन की साख को भी बट्टा लगा है. अमेरिका में निर्मित एफ-16 लड़ाकू विमान आसमान में अभेद्य किला माना जाता है. 6 वर्ष पूर्व विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने अपने मिग बॉयसन विमान से मिसाइल दाग कर पाकिस्तान के एफ-16 को गिरा दिया था. विमान व शस्त्र प्रणाली कितनी भी आधुनिक हो, उसे इस्तेमाल करने का कौशल भी महत्व रखता है. भारतीय सैन्यबलों का प्रशिक्षण उच्च कोटि का है. उनकी तत्परता, कुशलता, साहस और जज्बे से दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब मिलता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

आतंकवाद से करते हैं हेट ट्रंप ने कहा टिट फॉर टैट

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, एक वक्त वह भी था जब अमेरिका पाकिस्तान रूपी अस्तीन के सांप को बड़े शौक से पालता था. उसको सिर से पैर तक हथियारों से लाद देता था. जब भारत में सिर्फ फिएट और एम्बेसडर कार थीं तब पाकिस्तान में चमचमाती विदेशी गाड़ियां दौड़ा करती थीं. पाकिस्तान की हर जरूरत अमेरिका पूरी करता था. लोग कहते थे कि आर्मी, अमेरिका और अल्लाह की पाकिस्तान पर मेहरबानी है. अब समय बदल गया. अल्लाह ने सारे आतंकवादियों को ऊपर बुलाना शुरू किया है जहां वह 72 हूरें और मीठे खजूर पाने की ख्वाहिश लेकर जाएंगे. पाकिस्तानी आर्मी बुरी तरह मार खा रही है और अमेरिका ने पाक से नजरें फेर ली हैं. बांग्लादेश युद्ध युद्ध के समय तत्कालीन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने पाकिस्तान का साथ देते हुए बंगाल की खाड़ी में अपना सातवां बेड़ा भेजने की धमकी दी थी. तब इंदिरा गांधी ने दहाड़ कर कहा था- आने दो सेवंथ फ्लीट, हमारा विक्रांत उससे निपट लेगा. अब अमेरिका के प्रेसीडेंट ट्रंप ने भारत के एक्शन के बारे में कहा है कि यह टिट फॉर टैट अर्थात जैसे को तैसा है. भारत प्रतिशोध लेते हुए आतंकी की खाल उधेड़ रहा है.

हमने कहा, भारत के पराक्रम और ताकत को दुनिया ने पहचाना है. यह मोदी का भारत है जो घर में घुसकर मारता है. पाकिस्तान ने जो बोया, वही काट रहा है. उसकी आतंकवाद की फैक्टरी तबाह हो रही है. अमेरिका और चीन दोनों को भारत से व्यापार जारी रखना है. कंगाल और भिखमंगा पाकिस्तान उनके किसी काम का नहीं है. रस निचोड़ा गया नींबू और तेल निकाली गई तिल जैसी पाकिस्तान की हालत है. सऊदी अरब ने भी ऐसे हजारों पाकिस्तानियों को अपने देश से खदेड़ दिया जो वहां जाकर भीख मांगते थे.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, चीन पाकिस्तान को हथियार देगा लेकिन लड़ाई में नहीं कूदेगा क्योंकि यह 1962 वाला भारत नहीं है. उत्तरी मोर्चे पर भी हमारी सेना मजबूती से तैनात है. रूस भारत के साथ है तो चीन कोई दुस्साहस नहीं करेगा. इसलिए पाकिस्तान की चटनी बनना तय है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11898

-डॉ. सागर खादीवाला

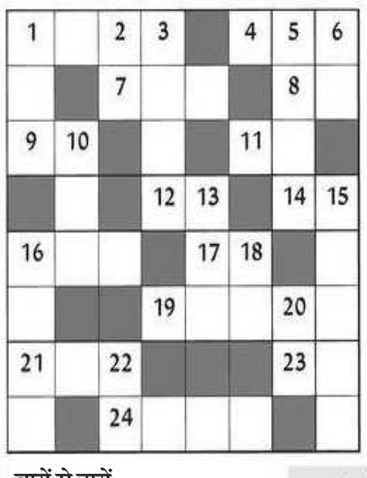

बायें से दायें
1. प्रतिच्छाया, परछाई 4. रुचि, मनोनुकूल, जो मन को जंचे 7. उपद्रव, दंगा 8. वर्ष 9. कश्मीर की एक विख्यात झील 11. वू, वास, सुगंध 12. फायदा, लाभ 14. आर्द्र, गीला 16. नमस्कार 17. एक पैगंबर जिनकी कश्ती तूफान से बच गई थी (उर्दू) 19. छटपटाना, घबराना 21. एक नेत्र रोग, जिसमें रात के समय दिखाई नहीं देता 23. मदिरा 24. कामदेव की स्त्री, रति

ऊपर से नीचे
1. उग्र, भयानक 2. अनुकृति, छाया 3. ताकतवर, शक्तिमान 5. अच्छी तरह पूरा करना, आयोजन, तैयारी (सं.) 6. समूह, झुंड, लोगों का गुट 10. सामान्य अर्थ से भिन्न अर्थ देनेवाली शब्दशक्ति 13. कंदील, मोमबत्ती जलाने का गिलास, छत में लटकाने के झाड़. 15. नायकों में प्रमुख 16. फैलाव, ब्राडकास्टिंग 18. मैं का बहुवचन 20. चार वेदों में से तीसरा वेद 22.

Solution 11897

अ	हं	का	री		झं	झ	र
न	स		झ	प	की		ण
जा	ना		ना	र		रा	नी
न		ब		म		म	ति
	फ	ड़	न	बी	स		
त	ल	ब		र	च	यि	ता
र		ड़ा		च			ड़
स	ज	ना		क्र	म	शः	

ज्योतिषाचार्य पं. नारायणशंकर नाथूराम व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अत्याधिक परिश्रम केबाद आंशिक सफलता मिलेगी, मित्र के कारण विवाद होगा, मान प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें, मन में खिन्नता रहेगी, वर्ष के मध्य में घरेलू कार्यो में रूचि रहेगी, बैचारिक वाद विवाद होगा, सत्संग में मन शांत रहेगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक मित्र का सहयोग रहेगा, व्यवसाय में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को सत्ता का सुख रहेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को सहयोग मिलेगा,सिंह राशि के व्यक्तियों को शिक्षा में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अधिकारी के कोप का सामना करना पड़ेगा.

धनु और मीन राशि के व्यक्तियोंको नवीन योजनों में पूँजी निवेश होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का सहयोग और सुख शांति रहेगी.

मेष-नाराज चल रहे लोगों को मनाना मुश्किल होगा, नये लोगों के साथ संपर्क मेलजोल बढ़ेगा, आकस्मिक रूके कार्य बनेंगे, मान सम्मान प्राप्त होगा.

वृषभ- सोचा कार्य किसी की मदद से पूरा होगा, आकस्मिक खर्च में वृद्धि होगी, अतिथि आगमन होगा, मनोरंजन आदि में खर्च होगा.

मिथुन- कानूनी मामलों में व्यस्तता रहेगी, नियोजित कार्य में सफलता मिलेगी, मन में हर्ष रहेगा, नवीन उपहार आदि की प्राप्ति होगी जिससे मन में प्रसन्नता रहेगी.

कर्क- ले देकर काम कराने की योजना सफल होगी, बैचारिक गतिरोध दूर होंगे, नवीन वस्त्राभूषण आदि की प्राप्ति होगी, साहसिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी.

सिंह- कारोबारी यात्रा सफल होगी, श्रम एवं प्रयास करने पर अच्छी सफलता मिलेगी, लाभ प्राप्त होगा, अनावश्यक कार्यो में न उलझें.

कन्या- आकस्मिक लाभ के अवसर मिलेंगे, जमीन जायजाद एवं सुख समृद्धि में वृद्धि होगी, लेखन अध्ययन के कार्यो में रूचि रहेगी, धार्मिक प्रवास का योग है.

तुला- वाणी दोष से विवाद पैदा हो सकता है, अत्याधिक भरोसा न करें, लेखन एवं अध्ययन के कार्यो में दिन अनुकूल रहेगा, सफलता प्राप्त होगी.

वृश्चिक- युवाओं को अच्छी सफलता मिलेगी, कोर्ट कचहरी आदि के कार्यो में सफलता मिलेगी, व्यापार व्यवसाय में प्रगति होगी, लाभ में संतोष रहेगा.

धनु- नई जिम्मेदारी आने से परेशानी हो सकती है, गुप्त शत्रुओं से सतर्क रहें, अधिकारियों की अनुकूलता रहेगी, व्यर्थ के विवाद से बचें.

मकर- रोक टोक के चलते कार्यस्थल पर विवाद संभव है, माता पिता का सहयोग कामकाज में सहायक रहेगा, स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें.

कुम्भ- व्यापारिक साझेदारी लाभदायी रहेगी, शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी, मनोवाछित सफलता मिलेगी, आगन्तुकों के आने से हर्ष होगा.

मीन- किसी सिफारिस से अटके काम आसानी से पूरे होंगे, राजनैतिक क्षेत्र में प्रयास करने पर सफलता मिलेगी, उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक चंचल तथा मिलनसार होगा, नेतृत्व करने की क्षमता होगी, किसी तरह की उच्च शिक्षा का ज्ञाता होगा, नौकरी अच्छी रहेगी, आय के एक से अधिक साधन उपलब्ध होंगे, माता पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

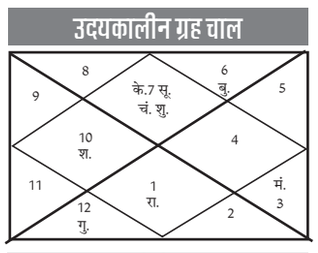

पंचांग

रा.मि. 22 संवत् 2082 वैशाख शुक्ल पूर्णिमा चन्द्रवासरे रात 9/13, स्वाती नक्षत्रे प्रात: 5/41, वरीयान योगे रातअंत 5/19, विष्टि करणे सू.उ. 5/25 सू.अ. 6/35, चन्द्रचार तुला रात 1/37 से वृश्चिक, पर्व- स्नानदान व्रतादौ पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, शु.रा. 7,9,10,1,2,5 अ.रा. 8,11,12,3,4,6 शुभांक- 9,2,6.

व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल पूर्णिमा को स्वाती नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, जौ, चना, बाजरा आदि में मंदी का रूख रहेगा, गुड़ खांड, शक्कर, कालीमिर्च, धनियां, अलसी, अरंडी, में नरमी रहेगी. भाग्यांक 9064 है.

SUDOKU 7030

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7029

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7